आरा-मोहनियां सड़क मरम्मत की कवायद फिर शुरू

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

आरा-मोहनियां सड़क की मरम्मत की कवायद फिर से शुरू हो गई है। नवनिर्माण में देरी होगी, लिहाजा पहले इसकी मरम्मत की जाएगी। चार वर्षों में लगातार बदल रहे फैसलों की कड़ी में सरकार का यह नया फैसला है। अब यह तो समय बताएगा कि इस फैसले पर भी अमल हो पाएगा या नहीं। लेकिन अगर मरम्मत भी हो गई तो दक्षिण बिहार को यूपी से जोड़ने वाली इस सबसे छोटी राह पर आवाजाही शुरू हो जाएगी। आरा-मोहनियां पथ की मरम्मत या नवनिर्माण का मामला शुरू से ही मझधार में फंसा रहा। चार वर्षों से यह सड़क जर्जर है। पहले इस सड़क का मामला राज्य सरकार के पास था। नवनिर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई तो एजेन्सी के साथ कुछ विवाद हो गया और मामला कोर्ट में चला गया। बाद में राज्य सरकार ने इस सड़क की मरम्मत कराने का आग्रह किया तो केन्द्र सरकार ने सड़क ही वापस करने की मांग कर दी है। इस बीच मरम्मत के लिए 90 करोड़ का प्रस्ताव भी केन्द्र को भेजा गया, लेकिन केन्द्र ने इसे खारिज कर दिया। बाद में जब राज्य सरकार ने इस सड़क को केन्द्र को वापस करने का फैसला किया तो कोर्ट को लेकर पेच फंस गया। अब पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव के अनुसार राज्य सरकार ने केन्द्र की इस शर्त को स्वीकार कर लिया है कि कोर्ट से कोई लायबिलिटी तय हुई तो वह राज्य सरकार वहन करेगी। उसके बाद नवनिर्माण का रास्ता भी साफ हो गया। लेकिन सरकार ने माना कि इस महत्वपूर्ण सड़क को जर्जर स्थिति में बहुत दिन तक नहीं छोड़ा जा सकता, लिहाजा तब इसकी मरम्मत की जाए।

व्यावसायिक, पर्यटन और धर्मिक दृष्टिकोण से भी यह सड़क राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यूपी या दिल्ली से लाया जाने वाला कोई भी माल इसी रास्ते पटना पहुंचता था। इसी के साथ माता मुंडेश्वरी धाम, काशी विश्वनाथ मंदिर और विंध्याचल जाने के लिए यह सबसे असान रास्ता है।

यातायात

- दक्षिण बिहार को यूपी से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क है यह
- चार वर्षों में कई बार बदला फैसला, अभी कोर्ट में है मामला

सड़क एक नजर में

125 किमी लंबी है सड़क
04 साल अटका है निर्माण का मामला
90 करोड़ का था पहले का स्टीमेट
04 लेन की बनेगी यह दो लेन सड़क